

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 15 अक्टूबर, 2022

### वशिव छात्र दविस

प्रतविरुष 15 अक्टूबर को 'वशिव छात्र दविस' के रूप में मनाया जाता है। यह दविस भारत के पूरव राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अबदुल कलाम के जनमोत्सव के रूप में मनाया जाता है। डॉ. ए.पी.जे. अबदुल कलाम का जनम 15 अक्टूबर, 1931 को तमलिनाडु के रामेशवरम में हुआ था। उन्होंने वर्ष 2002 से वर्ष 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य कया। वे न केवल एक सुवख्यात एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे, बल्कि महान शकषक भी थे, जनिहोंने [रेकषा अनुसंधान और वकिस संगठन](#) (DRDO) तथा [भारतीय अंतरकष अनुसंधान संगठन](#) (ISRO) के साथ काम कया था। डॉ. कलाम वर्ष 1962 में 'भारतीय अंतरकष अनुसंधान संगठन' से जुड़े तथा वहाँ उन्हें प्रोजेक्ट डायरेक्टर के तौर पर भारत का [पहला स्वदेशी उपग्रह \(SLV- III\) प्रकषेपासत्र](#) बनाने का श्रेय हासलि हुआ। अबदुल कलाम भारत के मसाइल कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं, वे 'आम जनमानस के राष्ट्रपति' के तौर पर प्रसदिध हैं। डॉ. कलाम ने अपने 'सादा जीवन, उच्च वचिर' के दर्शन से भारत समेत दुनिया भर के लाखों युवाओं को प्रेरति कया है। [संयुक्त राष्ट्र](#) (UN) ने डॉ. कलाम के जनम दविस को चहिनति करते हुए वर्ष 2010 में 15 अक्टूबर को वशिव छात्र दविस के रूप में नामति कया था। डॉ. कलाम की उपलब्धियों को इस बात से समझा जा सकता है कि उन्हें भारत एवं वदिशों के 48 वशिवदियालयों और संस्थानों द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानति कया गया था। उन्होंने वर्ष 1992 से वर्ष 1999 तक प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कया। डॉ. कलाम को वर्ष 1981 में [पद्म भूषण](#), वर्ष 1990 में [पद्म वभूषण](#) और वर्ष 1997 में ['भारत रत्न'](#) से सम्मानति कया गया।

### वधिभंतरियों और सचवियों का अखलि भारतीय सम्मेलन

प्रधानमंत्री ने 15 अक्टूबर, 2022 को नई दल्लि में [वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद \(Council of Scientific and Industrial Research- CSIR\)](#) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में प्रख्यात वैज्ञानिक, उद्योगपति और वज्जान संबंधी मंत्रालयों के वरषिठ अधिकारी शामिल हुए। यह बैठक CSIR की गतिविधियों की समीकषा करने और इसके भवषिय के कार्यक्रमों पर वचिर-वमिरश करने के लयि प्रत्येक वर्ष आयोजति की जाती है। प्रधानमंत्री इस परिषद के अध्यक्ष हैं। CSIR के अनुसंधान प्रयास अब मुख्य रूप से [हरति ऊरजा प्रौद्योगिकी](#), रोजगार उपलब्ध कराने और ग्रामीण कषेत्रों में आय को बढ़ाने पर केंद्रति हैं। औद्योगिक कषेत्रों में [आत्मनरिभरता](#) को मज़बूत करना, [बुनियादी ढाँचे का वकिस](#) व [महत्त्वपूर्ण वज्जान एवं प्रौद्योगिकी आधारति मानव संसाधन वकिसति](#) करना भी परिषद की ज़मिमेदारी है। CSIR वजिन 2030 के अनुसार, परिषद के पुनरुद्धार और [राष्ट्रीय वनि@2047](#) के अनुरूप भारत को एक वैज्ञानिक महाशक्ति तथा आत्मनरिभर बनाने पर ध्यान केंद्रति कया जा रहा है। CSIR ने उद्योग के साथ संबंध मज़बूत कये हैं। CSIR के [अरोमा मशिन](#) और जम्मू एवं कश्मीर में [बंगनी क्रांति](#) ने भारत को आयातक के बजाय नरियातक में बदल दया है।

### नारयिल समुदाय के कसानों का सम्मेलन

14 अक्टूबर, 2022 कोयंबटूर में आयोजति 'नारयिल समुदाय के कसानों के सम्मेलन' में [केंद्रीय कृषि एवं कसान कल्याण मंत्री](#) ने देश में नारयिल की खेती को बढ़ावा देने के लयि नारयिल समुदाय से जुड़े कसानों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दया है। वगित वर्षों में [अनुसंधान एवं वकिस](#) के कषेत्र में जो प्रयास कये गए हैं, उनके फलस्वरूप [कृषि व प्रसंस्करण कषेत्र](#) में नई [प्रौद्योगिकियों वकिसति](#) हुई हैं तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकियों को उन्नत बनाया गया है। [कृषि अर्थव्यवस्था](#) में नारयिल की खेती का योगदान अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है। नारयिल की खेती में भारत अग्रणी है व दुनिया के तीसरे बड़े उत्पादकों में से एक है। नारयिल प्रसंस्करण गतिविधियों में तमलिनाडु प्रथम स्थान पर है एवं नारयिल की खेती के कषेत्रफल की दृष्टि से [कोयंबटूर प्रथम स्थान](#) पर है, जहाँ [88,467 हेक्टेयर](#) कषेत्र में नारयिल की खेती की जाती है। नारयिल वकिस बोर्ड [छोटे-सीमांत कसानों को](#) एकीकृत कर [त्रसितरीय कसान समूह](#) का गठन कर रहा है। राज्य में वर्तमान में 697 नारयिल उत्पादक समतियों, 73 नारयिल उत्पादक संघ एवं 19 नारयिल उत्पादक कंपनियों हैं। भारत में प्रतविरुष [3,638 मिलियन नारयिल की प्रसंस्करण कषमता](#) के साथ 537 नई प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापति करने हेतु समर्थन दया जा रहा है, इनमें से [136 इकाइयाँ तमलिनाडु](#) की हैं। यह सफलता बोर्ड द्वारा देश में [कार्यानवति मशिन कार्यक्रम](#) के माध्यम से प्राप्त हुई है।